वबि्रयिो वुल्नफिकिस संक्रमण

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

हाल के वर्षों में भारत **समुद्री वातावरण** में पाए जाने वाले घातक **बैक्टीरिया वबि्रयिो वुल्नफिकिस के बढ़ते संक्रमण** के कारण चतिति है।

- इसके संभावति खतरे के बावजूद, **यह रोगजनक भारत में काफी हद तक कम रपिोर्ट कयिा गया है।**

वबि्रयिो वुल्नफिकिस:

- **परचिय:**
    - **वबि्रयिो वुल्नफिकिस एक जीवाणु** है जो मनुष्यों में गंभीर संक्रमण उत्पन्न कर सकता है। यह**अधपके समुद्री भोजन, वशिेषकर सीप खाने से हो सकता है, जसिमें हानकिारक बैक्टीरिया हो सकते हैं।**
- **वाहक:**
    - यह सामान्यतः दो मुख्य मार्गों के माध्यम से अनुबंधति होता है:**संक्रमति रॉ शैलफशि का सेवन करने से और घावों के दूषति जल के संपर्क में आने से।**
        - **यह समुद्री जीवों जैसे ईल, डर्बी, तलिापयिा, ट्राउट और झींगा के माध्यम से फैलता है।**
        - समुद्री जीवों में इसका पहला मामला **वर्ष 1975 में जापानी ईल में** दर्ज़ कयिा गया था। **मनुष्यों में वी. वुल्नफिकिस का पहला मामला वर्ष 1976 में अमेरिका में** दर्ज़ कयिा गया था।
            - **यह रोगजनक वर्ष 1985 में आयातति ईल के माध्यम से स्पेन पहुँचा था।**
        - वर्ष 2018 में, भारत ने केरल के एक तलिापयिा फार्म में वी. वुल्नफिकिस के प्रकोप का दस्तावेज़ीकरण कयिा।
            - मूल रूप से अफ्रीका और पश्चमि एशयिा की **तलिापयिा वशि्व स्तर पर सबसे अधकि कारोबार वाली खाद्य मछलयिों** में से एक है।
- **लक्षण:**
    - वी. वुल्नफिकिस संक्रमण के लक्षणों में **डायरयिा, उल्टी, बुखार** और, गंभीर मामलों में, माँस खाने से होने वाली बीमारयिाँ शामलि हैं जो कुछ ही दनिों में घातक हो सकती हैं।
- **भारत में वी. वुल्नफिकिस के पक्ष में पर्यावरणीय कारक:**
    - यह **जीवाणु 20°C से ऊपर गर्म जल में पनपता है।** भारत की समुद्री सतह का औसत तापमान **28°C** इसे एक आदर्श आवास स्थान प्रदान करता है।
        - बढ़ी हुई वर्षा एवं कम तटीय लवणता के साथ **जलवायु परविर्तन**, वी. वुल्नफिकिस के वकिास को और बढ़ावा देता है।
- **परणिाम:**
    - वी.वुल्नफिकिस संक्रमण में शीघ्र नदिान और उपचार के बावजूद भी **उच्च मृत्यु दर 15% से 50% तक** होती है।
    - वैसी आबादी जो शारीरकि रूप से कमज़ोर है, अर्थात् जो **क्रोनकि लीवर रोग**, **कैंसर**, **क्रोनकि कडिनी रोग** और **मधुमेह** से पीड़ति हैं, में इस रोग का जोखमि बढ़ जाता है।
    - इस संक्रमण के कारण **अंग वचि्छेदन (Limb Amputations)** करना (शरीर के कसिी हस्सिे, जैसे हाथ या पैर को शल्यचकित्सिा से हटाना) पड़ सकता है, जसिसे यह एक गंभीर स्वास्थ्य चतिा का वषिय बन जाता है।

वैश्वकि प्रसार:

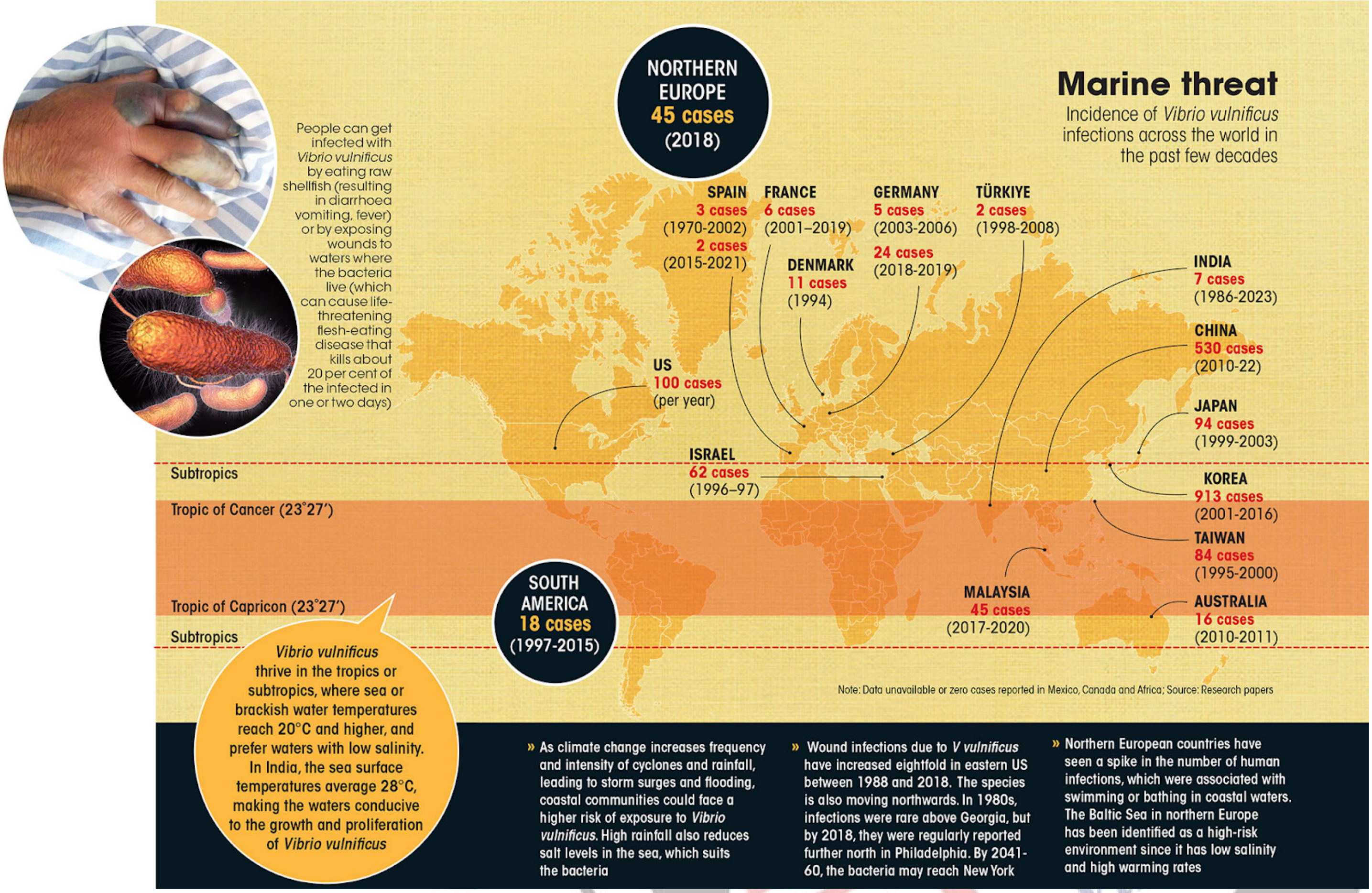

- **वी. वुल्निफिकस जोखिम को कम करने के उपाय:**
  - **स्वास्थ्य देखभाल जागरूकता:** यह सुनिश्चित करना चाहिये कि समुद्र तटीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर वी. वुल्निफिकस संक्रमण के जोखिमों से अवगत हों, साथ ही प्रासंगिक लक्षणों वाले रोगियों का परीक्षण किया जाना भी आवश्यक है।
  - **पूर्वानुमानित उपकरण:** शोधकर्त्ता समुद्री सतह के तापमान और फाइटोप्लांकटन के **स्तर की निगरानी** के लिये **उपग्रह-आधारित सेंसर का उपयोग** करके **जोखिम-चेतावनी उपकरण** विकसित कर रहे हैं, जो बढ़े हुए वी. वुल्निफिकस संक्रमण से जुड़े हैं।
  - **जापान में प्रचलित मौसमी खाद्य उपभोग से सीख:** जापान में, **सीप और मसल्स जैसे समुद्री द्विकपाटी जीवों (Bivalves) का सेवन केवल सर्दियों में किया जाता है,** गर्मियों के दौरान इनके सेवन से परहेज़ किया जाता है क्योंकि इस मौसम में बैक्टीरिया का स्तर अधिक होता है। खान-पान का यह अभ्यास संक्रमण के जोखिम को काफी कम कर देता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vibrio-vulnificus-infection